प्रगति पथ पर सतत अग्रसर

इलाहाबाद बैंक का व्यवसाय
₹ 2,46,939 करोड़ से अधिक हुआ

- **इलाहाबाद बैंक ने तीसरी तिमाही के परिचालन लाभ में 30.63% की वृद्धि दर्ज की।**
- **निवल लाभ 34.78% की वृद्धि हुई।**
- **निवल ब्याज आय में 31.27% की वृद्धि हुई।**
- **प्रावधान कवरेज अनुपात 78.03% रहा।**
- **पूंजी-पर्याप्तता अनुपात 12.75 % रहा।**
- **दिसम्बर, 2011 तिमाही हेतु प्रति शेयर आय बढ़कर ₹ 11.77 हो गई ।**

तीसरी तिमाही - वित्त वर्ष 2011-12 की विशेषताएँ

- **परिचालन लाभ** पिछले वर्ष के ₹ 788.43 करोड़ के सापेक्ष इस दौरान **30.63% की वृद्धि** दर्ज करते हुए दिसम्बर,2011 को समाप्त तिमाही के अंत में बढ़कर **₹ 1029.96 करोड़** हो गया।
- बैंक का **निवल लाभ** पिछले वर्ष के ₹ 415.80 करोड़ के सापेक्ष **34.78% की वृद्धि** दर्ज करते हुए दिसम्बर,2011 को समाप्त तिमाही में बढ़कर **₹ 560.43 करोड़** हो गया।
- **निवल ब्याज आय** पिछले वर्ष की समरूप अवधि के ₹ 1051.63 करोड़ के सापेक्ष वर्ष -दर-वर्ष आधार पर **31.27%** की वृद्धि दर्शाते हुए वित्त वर्ष 2011-12 की तीसरी तिमाही के दौरान बढ़कर **₹ 1380.50 करोड़** हो गई।
- **गैर-ब्याज आय** पिछले वर्ष के **₹ 257.64** करोड़ के सापेक्ष वर्ष -दर-वर्ष आधार पर **35.23% की वृद्धि** दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2011-12 की तीसरी तिमाही के दौरान **₹ 348.41 करोड़** रही।
- **सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए दिसम्बर, 2011 के अंत में** 1.86% तक **नियंत्रित रहा।**
- **निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए का अनुपात** दिसम्बर, 2011 को समाप्त तिमाही को यथास्थिति 0.79 % रहा।
- **निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम)** पिछले वर्ष के **3.44%** के सापेक्ष **दिसम्बर,2011 की तिमाही** के अंत में बढ़कर **3.73%** हो गया।

दिसम्बर, 2011 को समाप्त नौ माह हेतु कार्यनिष्पादन की विशेषताएं

- **परिचालन लाभ** पिछले वर्ष के ₹ 2274.54 करोड़ के सापेक्ष **वर्ष दर वर्ष आधार पर 26.13% की वृद्धि** दर्शाते हुए **दिसम्बर, 2011** को यथास्थिति बढ़कर **₹ 2868.87 करोड़** पर पहुँच गया।
- **निवल लाभ** पिछले वर्ष के ₹ 1165.51 करोड़ के सापेक्ष **वर्ष दर वर्ष आधार पर 25.83%** की वृद्धि दर्शाते हुए **31.12.2011** को समाप्त **नौ माह** के दौरान बढ़कर **₹ 1466.57 करोड़** हो गया।
- **निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) पिछले वर्ष के** 3.34% के सापेक्ष **दिसम्बर, 2011** को समाप्त **नौ माह** के दौरान **बढ़कर 3.60% हो गया।**
- **निवल ब्याज आय** पिछले वर्ष के ₹ 2871.17 करोड़ के सापेक्ष **वर्ष दर वर्ष आधार पर 34.94% की वृद्धि** दर्ज करते हुए **अप्रैल,2011 से प्रारंभ हुए नौ माह** के दौरान **₹ 3874.28 करोड़** रही।
- **गैर ब्याज आय** पिछले वर्ष के ₹ 900.94 करोड़ के सापेक्ष **दिसम्बर, 2011** को समाप्त नौ माह के दौरान बढ़कर **₹ 943.54 करोड़** हो गई।
- बैंक का **कुल व्यवसाय** पिछले वर्ष के ₹ 2,07,785 **करोड़** के सापेक्ष **वर्ष दर वर्ष आधार पर 18.84% की वृद्धि** दर्शाते हुए **31.12.2011 को यथास्थिति ₹ 2,46,939** करोड़ हो गया ।
- बैंक की **जमा राशियां** 31.12.2010 को यथास्थिति ₹ 1,20,948 करोड़ से बढ़कर **31.12.2011 को यथास्थिति ₹ 1,45,300 करोड़** हो गई। **वर्ष दर वर्ष आधार पर, कुल जमाराशियों में 20.13% की वृद्धि हुई** । (31.03.2011 को यथास्थिति ₹ 1,31,887 करोड़)
- **सकल ऋण** 31.12.2010 को यथास्थिति ₹ 86,837 करोड़ के सापेक्ष **31.12.2011 को यथास्थिति बढ़कर ₹ 1,01,640 करोड़ हो गया। वर्ष दर वर्ष आधार पर सकल ऋण में 17.05% की वृद्धि हुई।** (31.03.2011 को यथास्थिति ₹ 94,571 करोड़)
- **ऋण जमा अनुपात** दिसम्बर, 2011 के अंत में **70.23% रहा।**
- **सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए दिसम्बर, 2011 के अंत में** 1.86% तक **नियंत्रित रहा।**
- **निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए का अनुपात** दिसम्बर, 2011 को यथास्थिति 0.79 % रहा। (मार्च, 2011 को यथास्थिति 0.79%)
- **प्रावधान कवरेज अनुपात 78.03%** हो गया।
- **पूँजी पर्याप्तता अनुपात** 31.12.2010 को यथास्थिति 12.78% के सापेक्ष **31.12.2011 को यथास्थिति 12.75%** हो गया।

शेयरधारिता का मूल्य

- **आस्तियों से आय** पिछले वर्ष के 1.24% के सापेक्ष **दिसम्बर, 2011 तक के नौ माह** के अंत में **बढ़कर 1.26 %** हो गई।
- **प्रति शेयर आय** पिछले वर्ष की समान अवधि के ₹ 26.09 से बढ़कर **दिसम्बर, 2011 को समाप्त नौ माह के दौरान ₹ 30.80** हो गई।
- **प्रति शेयर बही मूल्य 31.12.2010** को यथास्थिति ₹ 177.16 के सापेक्ष **दिसम्बर, 2011 को समाप्त नौ माह के दौरान** बढ़कर **₹ 210.12** हो गया।

जारी.....3

नई पहल

- दिसम्बर 2011 को समाप्त नौ माह के दौरान **62 शाखाएं** खोली गईं जिनमें 22 ग्रामीण, 27 अर्ध-शहरी, 6 शहरी और 7 महानगरी शाखाएं हैं जिससे शाखाओं की **कुल संख्या बढ़कर 2477** हो गई जिनमें से **36** शाखाएं दिसम्बर 2011 को समाप्त तिमाही के दौरान खोली गईं।
- **बैंक ने 'ऑल बैंक आशियाना' नामक एक नया गृह ऋण उत्पाद प्रारंभ किया है जिसमें कम ब्याज दर, कम मार्जिन जैसी अनेक आकर्षक विशेषताएं हैं।**
- **बैंक ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान स्वरूप पेंशनरों के लिए व्यक्तिगत ऋण सीमा को ₹ 75,000/- से बढ़ाकर ₹ 2.00 लाख कर दिया है जिसमें कोई मार्जिन, प्रोसेसिंग शुल्क नहीं है तथा ब्याज दर कम है।**
- **बैंक ने तिमाही के दौरान अपने आंतरिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों के माध्यम से 2384 कार्मिकों (अधिकारी 1479, अवार्ड स्टाफ 905) को प्रशिक्षण प्रदान किया है।**
- **बैंक ने दिसम्बर 2011 को समाप्त तिमाही के दौरान 111 अधिकारी और 726 लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों की भर्ती की है तथा मानव पूंजी की बदलती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और बैंकिंग प्रणाली में युवा रक्त को शामिल कर मौजूदा जन शक्ति को सुदृढ़ बनाने हेतु लगभग 1600 परिवीक्षाधीन अधिकारियों एवं 225 विशेषज्ञ अधिकारियों को विभिन्न विशेषीकृत क्षेत्रों में परवर्ती स्तर पर भर्ती करने की योजना प्रक्रियाधीन है।**
- **बैंक ने अक्षय कृषि एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना नामक एक समावेशी उत्पाद के माध्यम से केसीसी के ऋण प्रस्तावों की डिजिटल प्रोसेसिंग प्रारंभ की है ताकि क्षेत्र कार्याधिकारियों के स्तर पर एतद्संबंधी मामलों का निपटान शीघ्र और सरलतापूर्वक किया जा सके।**

खुदरा ऋण

- **बैंक के खुदरा ऋण के अंतर्गत कुल संवितरण** पिछले वर्ष की समरूप अवधि के ₹ 2594 करोड़ के सापेक्ष 14.27% की वृद्धि दर्ज करते हुए दिसम्बर, 2011 तक बढ़कर ₹ 2964 करोड़ हो गए।
- **खुदरा ऋण के अंतर्गत कुल बकाया** ऋण 31.12.2010 को यथास्थिति ₹ 11913 करोड़ के सापेक्ष बढ़कर 31.12.2011 को यथास्थिति ₹ 14379 करोड़ हो गया। जो बैंक के सकल ऋण का 14.12% है।
- **बैंक ने चुनिंदा खुदरा ऋण योजनाओं के अंतर्गत उत्सवों के अवसर पर दी जा रही छूट को 31.12.2011 तक बढ़ा दिया था जिसके तहत ब्याज दर में 1.50% तक एवं प्रयोज्य प्रोसेसिंग प्रभार में 50% की छूट प्रदान की गई थी। उत्सवों के अवसर पर दी गई छूट के साथ दिनांक 31.12.2011 तक ₹ 676.89 करोड़ का ऋण संवितरित किया गया।**
- **बैंक ने कर्मचारियों हेतु बैंक की कार ऋण योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत उपयोग के लिए मेसर्स टाटा मोटर्स लि. के साथ उनके वाहनों के वित्तपोषण हेतु गठबंधन किया है।**
- आवास ऋण के अंतर्गत वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 16.65% की वृद्धि दर्ज करते हुए कुल संवितरण पिछले वर्ष के ₹ 460.21 करोड़ के सापेक्ष दिसम्बर, 2011 को समाप्त नौ माह के दौरान बढ़कर ₹ 536.84 करोड़ हो गया।
- ऑलबैंक वाणिज्यिक वाहन वित्त के अंतर्गत कुल बकाया 31.12.2010 को यथास्थिति ₹ 217.15 करोड़ के सापेक्ष बढ़कर 31.12.2011 को यथास्थिति ₹ 544.41 करोड़ हो गया। (वर्ष -दर-वर्ष वृद्धि 151%)
- **ऑटो ऋण (कार + मोबाइक) में कुल बकाया राशि** पिछले वर्ष के ₹ 564.33 करोड़ के सापेक्ष बढ़कर 31.12.2011 को यथास्थिति ₹ 674.65 करोड़ हो गया। **(वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वृद्धि 19.55%)**
- स्वर्ण ऋण योजना के अंतर्गत संवितरण पिछले वर्ष की समान अवधि के ₹ 6.09 करोड़ के सापेक्ष 706.35% की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्तमान वित्त वर्ष में बढ़कर ₹ 49.11 करोड़ हो गया।

जारी.....4

सामाजिक बैंकिंग

- **प्राथमिकता क्षेत्र ऋण** 31.12.2010 को यथास्थिति ₹ 27455 करोड़ के सापेक्ष **वर्ष-दर-वर्ष आधार पर शुद्ध ₹ 3803 करोड़** की समग्र रूप में वृद्धि दर्ज करते हुए 31.12.2011 को यथास्थिति **₹ 31258 करोड़** हो गया जो **वर्ष दर वर्ष आधार पर 13.85% वृद्धि** है।
- **कृषि ऋण बकाया** 31.12.2010 को यथास्थिति ₹ 12172 करोड़ के सापेक्ष **वर्ष-दर-वर्ष आधार पर शुद्ध ₹ 1230 करोड़** की समग्र रूप में वृद्धि दर्ज करते हुए 31.12.2011 को यथास्थिति **₹ 13402 करोड़** हो गया।
- **सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों (एमएसई) को** बैंक ऋण **वर्ष-दर-वर्ष आधार पर शुद्ध ₹ 3571 करोड़ की समग्र रूप से वृद्धि** दर्ज करते हुए पिछले वर्ष के ₹ 9974 करोड़ के सापेक्ष **दिनांक 31.12.2011 को यथास्थिति ₹ 13545 करोड़ हो गया।(वृद्धि 35.81%)**
- **वित्तीय समावेशन योजना के अंतर्गत दिसम्बर, 2011 तक कुल 2341 गाँवों को कवर किया गया है जिसमें से 12 गाँवों में शाखाएं खोली गई हैं, 22 गाँवों में मोबाइल शाखा की सेवाएं उपलब्ध कराई गई है, 3 गाँवों को सैटेलाइट शाखा के माध्यम से तथा 2304 गाँवों को व्यवसाय प्रतिनिधि मॉडल के माध्यम से कवर किया गया है।**
- बैंक ने **यूआईडीएआई** के **रजिस्ट्रार** के रूप में दिसम्बर, 2011 तक **258359** व्यक्तियों का पंजीकरण पूरा कर लिया है।

प्रौद्योगिकी

- बैंक के **24 मिलियन से अधिक ग्राहक अब देशभर में फैली बैंक की 2477 शाखाओं में से किसी भी शाखा के माध्यम से बैंकिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।**
- **बैंक ने अपने ग्राहकों को 11.90 लाख से अधिक एटीएम-सह-डेबिट कार्ड जारी किए हैं।**
- **चेन्नई में दिनांक 21.10.2011 को चेक ट्रंनकेशन प्रणाली (सीटीएस) लागू कर दी गई है।**
- **पर्यावरण अनुकूल पहल स्वरूप शाखाओं के कार्यनिष्पादन की समीक्षा हेतु बाधामुक्त संप्रेषण के उद्देश्य से राष्ट्रभर में 59 चयनित स्थानों पर हाई डेफिनिशन वीडियो कॉन्फ्रेसिंग प्रणाली लागू की जा रही हैं।**

जोखिम प्रबंधन

- बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशानुसार **बासेल-II मानदण्डों को कार्यान्वित किया** गया है एवं बैंक ने निम्नांकित जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण को अपनाया है :-

मानकीकृत दृष्टिकोण	**..........**	**ऋण जोखिम हेतु**
मानकीकृत दृष्टिकोण (अवधि आधारित)	**..........**	**बाजार जोखिम हेतु**
प्राथमिक संकेतक दृष्टिकोण	**..........**	**परिचालनगत जोखिम हेतु**

- बैंक बासेल-II के अंतर्गत उन्नत दृष्टिकोण में परिवर्तित होने हेतु प्रारंभिक उपाय के तौर पर **एकीकृत जोखिम प्रबंधन समाधान** के कार्यान्वयन के लिए परामर्शदाता की **नियुक्ति की प्रक्रिया में जुटा है।** बाजार अनुशासन के पालन हेतु, आवश्यक प्रकटीकरणों को बैंक वार्षिक रिपोर्ट में प्रकाशित करने के साथ-साथ इन्हें अपनी वेबसाइट पर भी दे रहा है।

जारी.....5

भावी योजनाएं

- **बैंक ने 31 मार्च 2012 तक ₹ 2,80,000 करोड़ का कुल व्यवसाय प्राप्त करने** का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- **बैंक ने आगामी 3 वर्ष की अवधि में** अपने **कुल व्यवसाय को ₹ 4.00 लाख करोड़** रुपये से आगे ले जाने और अपनी **शाखाओं की संख्या** बढ़ाकर **3000 करने तथा एटीएम की संख्या को** बढ़ाकर **2000 करने की परिकल्पना की है ।**
- **वित्तीय समावेशन योजना** के अंतर्गत बैंक को आबंटित कुल **18167 गाँवों** में से **31.03.2012 तक 2000 से अधिक जनसंख्या वाले 2,618 गांवों को** व्यावसायिक प्रतिनिधियों **एवं 200 बायोमेट्रिक ग्रामीण एटीएम** के माध्यम से कवर किया जाएगा **एवं 2,000 से कम जनसंख्या वाले 15,549 गांवों** को **31.03.2014 तक इस योजना में** शामिल कर लिया जाएगा।
- **नई शाखाएं** खोलने के लिए **बैंक के पास 108 प्राधिकार-पत्र उपलब्ध हैं।**
- बैंक द्वारा खोले जाने हेतु प्रस्तावित **21 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी)** में से ऐसे **17 संस्थानों** ने पहले ही कार्य प्रारंभ कर दिया है।
- बैंक की योजना शेनझेन, चीन के अपने प्रतिनिधि कार्यालय को पूर्ण शाखा के रूप में उन्नत करने के अलावा विदेश में और आधिक शाखाएं खोलने की है जिसमें से एक **ढाका (बंगलादेश) में एवं एक काउलून (हांगकांग) में खोली जाएगी,** जिसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही **है।**

कोलकाता

30 जनवरी, 2012